सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम – एम.ए. समाजकार्य(एम.एस. डब्ल्यू)
द्वितीय वर्ष

2014–2015

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :

दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)

फोन/ फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

शंभू जोशी

सहायक प्रोफेसर

एम.ए. समाज कार्य (द्वितीय वर्ष) सत्रीय कार्य (सत्र 2014-15)

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

आपको एम.ए. समाज कार्य (द्वितीय वर्ष) में 4 क्रेडिट वाले 4 पाठ्यक्रम के लिए एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी. एम.ए.) करना होगा। इसके अतिरिक्त 4 क्रेडिट का एक परियोजना कार्य व 10 क्रेडिट का क्षेत्रकार्य जर्नल जमा कराना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में खण्ड-अ और खण्ड-ब हैं। खण्ड-अ में तीन प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 18 हैं और खण्ड-ब में 6 प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 12 हैं। आपको सभी प्रश्न करने हैं। खण्ड-अ के प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में और खण्ड-ब के प्रश्नों का उत्तर 200 से 300 शब्दों में देना हैं। सत्रीय कार्यो को आप **"निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय"** वर्धा में अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015 तक जमा कराएँ तथा आप अपने पास सत्रीय कार्यो की एक फोटोप्रति अनिवार्य रूप से रखें।

प्रस्तुतीकरण :-

हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित सारणी के अनुसार भेजें।

सत्रीय कार्य कोड	किसे भेजें
एम.एस.डब्ल्यू-007 एम.एस.डब्ल्यू-008 एम.एस.डब्ल्यू-009 एम.एस.डब्ल्यू.ई.-001 एम.एस.डब्ल्यू.पी.-001 एम.एस.डब्ल्यू.एल-002	***निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय*** ***महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय*** ***पोस्ट-हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,*** ***वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)*** ***फोन/ फैक्स नं. : 07152-247146*** वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यो के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छदों में स्पष्ट संबंध हो, और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्दसीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

(कार्यक्रम संयोजक)

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : ------------------------------------

नाम : --

पता : --

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ---------------------------- -------------------------

सत्रीय कार्य कोड : --------------------------------- दिनांक : -----------------

----

उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

3) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4) अपनी लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए ***निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पोस्ट-हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र) के पास अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015 तक*** भेज दें। लिफाफे के ऊपर ***''सत्रीय कार्य एम.एस.डब्ल्यू (द्वितीय वर्ष)''*** अवश्य लिखें।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

सत्रीय कार्य (Assignment)

विषय : एम.ए. समाज कार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : वैयक्तिक कार्य और परामर्श : व्यक्तियों के साथ काम करना
Course Title : Casework and Counselling : Working With Individuals

विषय कोड : एम.एस.डब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यू-007
Course Code : MSW-007

अधिकतम अंक : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. वैयक्तिक कार्य अभ्यास के स्वदेशीकरण को सविस्तार बताइए। 6

प्रश्न 2. निदान /आकलन की परिभाषा देते हुए इसके प्रकारों की चर्चा कीजिए। 6

प्रश्न 3. परामर्श के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. मानवीय आवश्यकताओं को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 5. गोपनीयता के सिद्धांत की सीमाएं बताइए । 2

प्रश्न 6. परामर्श में प्रयोग की जाने वाली विधियों को संक्षेप में बताइए। 2

प्रश्न 7. अच्छे साक्षात्कार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न 8. सम्प्रेषण के तत्वों को बताइए। 2

प्रश्न 9. वैयक्तिक कार्य अभ्यास में अभिलेखन क्यों अनिवार्य है ? 2

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

सत्रीय कार्य (Assignment)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : एम.ए. समाज कार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
Course Title : Social Group Work : Working With Groups

विषय कोड : एम.एस.डब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यू-008
Course Code : MSW-008

अधिकतम अंक : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. समूहों के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए। 6
प्रश्न 2. नेतृत्व के विभिन्न सिद्धांत बताइए। 6
प्रश्न 3. आपदा पीड़ितों के साथ समूह कार्य का वर्णन कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. समूह कार्य के लाभ बताइए । 2
प्रश्न 5. समूह कार्य प्रक्रिया के रूप में स्व-सहायता समूह पर विचार प्रकट कीजिए। 2
प्रश्न 6. मनोचिकित्सीय व्यक्ति केंद्रित प्रारूप का उल्लेख कीजिए। 2
प्रश्न 7. समूह निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए। 2
प्रश्न 8. भावनात्मक बुद्धिमता के पांच घटकों का उल्लेख कीजिए। 2
प्रश्न 9. बाल कल्याण एजेंसियों में समूह कार्य के उद्देश्य बताइए। 2

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

सत्रीय कार्य (Assignment)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : एम.ए. समाजकार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन का प्रबंधन
Course Title : Community Organisation Management for Community Development

विषय कोड : एम.एस.डब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यू-009
Course Code : MSW-009

अधिकतम अंक : 30

खण्ड – अ

अधिकतम अंक - 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. शहरी समुदाय की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 6
प्रश्न 2. भारत में सामुदायिक संगठन के इतिहास को बताइए। 6
प्रश्न 3. सामाजिक क्रिया के संस्थागत एवं गैर-संस्थागत मॉडल को स्पष्ट कीजिए। 6

खण्ड – ब

अधिकतम अंक - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. समुदाय की परिभाषा अपने शब्दों में दीजिए। 2
प्रश्न 5. जजमानी व्यवस्था पर टिप्पणी लिखिए । 2
प्रश्न 6. सामुदायिक अभ्यास पर वैश्वीकरण के प्रभावों की चर्चा कीजिए। 2
प्रश्न 7. सामाजिक क्रिया में विश्वसनीयता क्यों महत्वपूर्ण है? 2
प्रश्न 8. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य प्रबंधन के लक्ष्य बताइए। 2
प्रश्न 9. 'नौकरशाही आवश्यक बुराई है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

सत्रीय कार्य (Assignment)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : एम.ए. समाज कार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : एचआईवी /एड्स : कलंक, भेदभाव एवं रोकथाम
Course Title : HIV/AIDS : Stigma, Discrimination and Prevention

विषय कोड : एम.एस.डब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यूई-001
Course Code : MSWE-001

अधिकतम अंक : 30

खण्ड – अ

अधिकतम अंक - 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. एचआईवी/एड्स संक्रमण के प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। 6
प्रश्न 2. सामाजिक कार्यकर्ता एचआईवी/एड्स की रोकथाम में क्या भूमिका निभा सकता है? 6
प्रश्न 3. संचार के पारंपरिक माध्यमों को बताते हुए एचआईवी/एड्स रोकथाम में इनकी भूमिका पर प्रकाश डालिए। 6

खण्ड – ब

अधिकतम अंक - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. एचआईवी/एड्स संबंधी भ्रांतियों का उल्लेख कीजिए। 2
प्रश्न 5. माँ से संतान में एचआईवी संचरण की अवस्थाएं बताइए। 2
प्रश्न 6. एचआईवी/एड्स के षडयंत्र सिद्धांत को बताइए। 2
प्रश्न 7. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन/नाको पर टिप्पणी लिखिए। 2
प्रश्न 8. भारत में किस वर्ग को एचआईवी/एड्स संक्रमण हेतु अधिकजोखिम वाला माना जाता है और क्यों? 2
प्रश्न 9.एचआईवी रोगियों की बेहतरी के लिए सुझाव दीजिए। 2

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : एम.ए. समाज कार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : परियोजना कार्य
Course Title : Project Work

विषय कोड : एमएसडब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यूपी-001
Course Code : MSWP-001

अधिकतम अंक : 100

MSWP-001 प्रश्नपत्र एक परियोजना कार्य है। इस हेतु समाज कार्य शोध संबंधी परियोजना कार्य पुस्तिका आपको प्रेषित की जा रही है। इस पुस्तिका में परियोजना कार्य का एक प्रारूप तथा समस्त जानकारियाँ दी गई है। विभिन्न प्रस्तावित विषयों का भी उल्लेख किया गया है। परियोजना प्रस्ताव के साथ घोषणा/प्रमाण पत्र को संलग्न करें तथा इनमें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का उल्लेख करें।

परियोजना रिपोर्ट लेखन :-

फील्ड वर्क एवं आंकड़ा संग्रहण और तालिका पूरी करने के बाद आप परियोजना रिपोर्ट लिखें। किसी भी परियोजना कार्य का परिणाम एक रिपोर्ट के रूप में सामने आता है ।

<u>विश्वविद्यालय को भेजी जाने वाली परियोजना रिपोर्ट लेखन में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए :</u>

1. **मुख्यपृष्ठ :** इसमें परियोजना शीर्षक, पाठ्यक्रम का नाम, शोधार्थी,निर्देशक का नाम, सत्र, विश्वविद्यालय का नाम एवं पता होना चाहिए।
2. **घोषणा पत्र :** इसमें शोधार्थी/निर्देशक द्वारा कार्य की मौलिकता के संदर्भ में स्वहस्ताक्षरित घोषणा पत्र संलग्न करना चाहिए (परिशिष्ट-1 देखें)
3. **आभार :** परियोजना कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को आभार प्रदान किया जाना चाहिए।
4. **तालिका :** इसके अंतर्गत रिपोर्ट की पृष्ठवार जानकारी प्रदान की जाती है।
5. **रिपोर्ट का मुख्य भाग :** इसमें मुख्यतः 4-5 अध्याय होते हैं :
   - **पहला अध्याय :** इसमें परियोजना कार्य की भूमिका होती है जिसमें निम्नलिखित बातों का समावेश होता है:
     - परियोजना कार्य का परिचय
     - परियोजना कार्य का तर्क
     - परियोजना कार्य का उद्देश्य
     - परियोजना कार्य के विषय पर पूर्व में हो चुके कार्यो का साहित्य पुनरावलोकन (Review of Literature)
     - परियोजना कार्य की परिकल्पना
     - परियोजना कार्य की शोध प्रविधि (इसमें नमूने का आकार (size of sample),आँकड़ा संकलन एवं विश्लेषण की विधियों का उल्लेख रहता है)
   - **दूसरा अध्याय :**यह अध्याय विषय की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि से संबंधित होगा। जो विषय से जुड़ी विभिन्न संकल्पनाओं को स्पष्ट करेगा।
   - **तीसरा अध्याय :** परियोजना कार्य के लिए निर्धारित विषय से संबंधित विभिन्न विधियों द्वारा प्राप्त आँकड़ों को तालिकाओं/ग्राफ इत्यादि के जरिए प्रदर्शित किया जाता है और उनकी जानकारी प्रदान की जाती है ।
   - **चौथा अध्याय** : प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया जाता है और अपने निष्कर्ष बताए जाते हैं। एक अच्छे शोध का महत्व इस बात में भी है कि वह परियोजना कार्य को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत करे।

6. **संदर्भ ग्रंथ :** इसमें परियोजना कार्य में सहयोगी ग्रंथों, बेवसाइट्स इत्यादि की सूची प्रदान की जाती है।

7. **परिशिष्ट :** शोधार्थी इसके अंतर्गत अपने परियोजना कार्य के लिए व्यक्तियों से जिन विभिन्न शोध प्रविधियों की सहायता से आँकड़े एकत्रित करता है, उन्हें दर्शाया जाता है। प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार की सूची इत्यादि इसमें शामिल की जाती है।

नोट : विद्यार्थी अपने विषय की आवश्यकतानुसार अपने अध्याय बढ़ा सकता है ।

परियोजना रिपोर्ट संबंधी निम्नलिखित बातों का ध्यान अवश्य रखें:-

- न्यूनतम 60-70 पृष्ठों (A4 साइज)में डबल स्पेस में टाइप हुई रिपोर्ट अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर भेजनी होगी।
- आप रिपोर्ट के एक भाग के रूप में इस आशय का एक घोषणा-पत्र (संलग्न **परिशिष्ट -1**)प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य, मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- परियोजना कार्य **में विद्यार्थी की नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता** अवश्य होना चाहिए। आपको परियोजना रिपोर्ट की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजी गई रिपोर्ट विद्यार्थी को लौटाई नहीं जाएगी।
- MSWP-001 में आपको फील्ड में जाकर परियोजना कार्य सम्पन्न करना है। अतः इसे आलेख की तरह नहीं लिखे और न ही व्यक्तिगत प्रपत्र की तरह। परियोजना कार्य का प्रारूप ऊपर दिया गया है। उसका पालन करें।
- विद्यार्थी यह स्पष्ट ध्यान रखे कि चुनी गयी परियोजना की जानकारी आवश्यकतानुसार ही दें, ऐसा न हो कि परियोजना की जानकारी तो बहुत लंबी हो और फील्ड वर्क बहुत कम। यह आपके परियोजना कार्य के प्रभाव को कम करता है। एक आदर्श परियोजना कार्य में परियोजना कार्य एवं फील्ड वर्क दोनों का उचित संयोजन होना चाहिए।
- हर विद्यार्थी से यह आशा की जाती है कि वह अलग-अलग विषयों पर अपना परियोजना कार्य सम्पन्न करेगा। किसी अन्य की फोटोकॉपी करना और उसे अपने नाम से जमा कराना अस्वीकार्य है।
- विभिन्न प्रविधियों द्वारा प्राप्त आँकड़ों एवं तालिका/ग्राफ द्वारा उनकी प्रस्तुति, विश्लेषण को पर्याप्त विस्तार के साथ प्रदर्शित करें।
- अध्ययन केंद्रों द्वारा पंजीकृत विद्यार्थी परियोजना कार्य हेतु अध्ययन केंद्र से संपर्क करें।

घोषणा-पत्र

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि ....(परियोजना शीर्षक) नामक यह परियोजना रिपोर्ट जो दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के एम.एस.डब्ल्यू कार्यक्रम का अनुपूरक अंश है और मेरे द्वारा प्रस्तुत मौलिक कार्य है तथा पहले कभी महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अथवा किसी अन्य संस्था में किसी अन्य अध्ययन कार्यक्रम के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि इस कार्य का कोई भी माध्यम पूर्णतया अथवा अंशतया पूर्व में मेरे द्वारा किए गए अथवा अन्यों द्वारा किए गए कार्य से नहीं लिया गया है।

स्थान
तारीख

हस्ताक्षर ....
नामाकंन संख्या ....
नाम ....
पता ....

<u>प्रमाण पत्र</u>

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/कुमारी/श्रीमती ....जो दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के एम.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम के/की विद्यार्थी हैं वह MSWP-001 पाठ्यक्रम के लिए मेरे पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य कर रहे रहे/रहीं थे/थीं। उनके परियोजना कार्य का शीर्षक निम्नलिखित है :

....(परियोजना शीर्षक का नाम)

यह इनका सही और मौलिक कार्य हैं।

स्थान :
दिनांक :

हस्ताक्षर ....
नाम ....
पर्यवेक्षक का पता ....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. समाजकार्य द्वितीय वर्ष (सत्र 2014-15)

Master of Social Work (Second Year)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : एम.ए. समाज कार्य
Subject : Master of Social Work
कोर्स शीर्षक : समाजकार्य व्यावहारिक प्रशिक्षण - II
Course Title : Social Work Practicum -II (Field Work)

विषय कोड : एमएसडब्ल्यू
Subject Code : MSW
कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यूएल-002
Course Code : MSWL-002

अधिकतम अंक : 100

क्षेत्र कार्य जर्नल

एमएसडब्ल्यूएल-002 से संबंधित पाठ्यसामग्री क्षेत्रकार्य जर्नल आपको प्राप्त हुई है। इसमें **दो खंड** है।

खंड-1 :- आपको समाज कार्य घटकों तथा समाजकार्य की विभिन्न विधियों की जानकारी देगा तथा इस खंड को विद्यार्थी अपने पास ही संभाल कर रखें, इसे निदेशालय को नहीं भेजा जाना है।

खंड-2 :- क्षेत्र कार्य जर्नल है जिसमें समस्त निर्देश प्रदान किए गए है। विद्यार्थी को इस क्षेत्रकार्य जर्नल (खंड-2) पुस्तिका को हस्तलिपि में भरकर दूर शिक्षा निदेशालय को निर्धारित तिथि तक भेज देना है। किसी भी समस्या होने पर पाठ्यक्रम संयोजक से प्रात 11.00 सायं 5.00 बजे तक 07152-247146 पर संपर्क किया जा सकता है। क्षेत्र कार्य जर्नल को टाइप नहीं करना हैं, स्वयं विद्यार्थी को अपने हाथों से सुपाठ्य तरीके से भरना है। क्षेत्रकार्य जर्नल संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश निम्नानुसार हैं -

क्र.सं.	गतिविधि	टिप्पणी
1	गतिविधि 1 : सत्र पूर्व स्व-मूल्यांकन कार्य	इसमें विद्यार्थी को दिए गए फॉर्म को भरना है
2	गतिविधि 2 : आगमन बैठक	विद्यार्थी को अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक के साथ हुई बैठक का विवरण अपने शब्दों में लिखना है। इस पर क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से टिप्पणी ली जानी है।
3	गतिविधि 3 : अनुकूल दौरे (प्रथम वर्ष में जिन संस्थाओं के साथ कार्य किया उन्हें छोड़कर)	विद्यार्थी को किन्ही पांच संस्थाओं में जा कर एमएसडब्ल्यूएल-002 खंड-1 में संस्थागत प्रोफाईल के लिए दिए गए दिशानिर्देशों (पृ. 13-17) की सहायता से निर्धारित प्रारूप में ही उनका विवरण लिखना है। इस पर क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।
4	गतिविधि 4 : समवर्ती क्षेत्र कार्य रिपोर्ट (प्रथम वर्ष में जिस संस्था के साथ कार्य किया उसे छोड़कर)	विद्यार्थी को किसी एक संस्था के साथ जुड़कर 45 दिन का क्षेत्रकार्य अनुभव प्राप्त करना है और जर्नल में दिए गए प्रारूप में ही प्रतिदिन के समवर्ती क्षेत्रकार्य पर रिपोर्ट लिखनी है। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से टिप्पणी ली जानी है।
5	गतिविधि 5 : वैयक्तिक सम्मेलन की रिपोर्ट	विद्यार्थी इस कार्य हेतु खंड-1 क्षेत्र कार्य जर्नल के उपखंड समाजकार्य प्रक्रिया (पृ. 22 से प्रारंभ) का अध्ययन करें। इसी के अनुसार जर्नल भरें। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।
6	गतिविधि 6 : समूह सम्मेलन की रिपोर्ट	विद्यार्थी इस कार्य हेतु खंड-1 क्षेत्र कार्य जर्नल के अंतर्गत समूह कार्य शीर्षक (पृ. 34 से प्रारंभ) का अध्ययन करें। इसी के अनुसार जर्नल भरें। इसपर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।

7	गतिविधि 7 : सामुदायिक संगठन	विद्यार्थी इस कार्य हेतु खंड-1 क्षेत्रकार्य जर्नल के अंतर्गत समुदाय संगठन शीर्षक (पृ. 48 से प्रारंभ) का अध्ययन करें। उसी के अनुसार जर्नल भरें। इसपर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।
8	गतिविधि 8 : समाज कल्याण प्रशासन	आपने जिस संस्था के साथ काम किया है उसकी जानकारी इस भाग में दिए गए विभिन्न बिदुंओं के अंतर्गत लिखनी है। अधिक सहायता के लिए खंड-1 क्षेत्र कार्य जर्नल के अंतर्गत समाज कल्याण प्रशासन (पृ. 68 से प्रारंभ) शीर्षक का अध्ययन करें।
9	गतिविधि 9 : सामाजिक क्रिया	विद्यार्थी इस कार्य हेतु दिए गए निर्देशों (पृ. 299) का पालन कर इसे भरें। अधिक सहायता के लिए खंड-1 क्षेत्रकार्य जर्नल के अंतर्गत उपशीर्षक सामाजिक क्रिया (पृ. 60 से प्रारंभ) का अवलोकन करें। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।
10	गतिविधि 10 : वैयक्तिक सम्मेलन की रिपोर्ट	विद्यार्थी को अपने क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के साथ हुई चर्चा का विवरण अपने शब्दों में लिखना है। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है। (कम से कम पांच वैयक्तिक सम्मलेन अवश्यक होने चाहिए।)
11	गतिविधि 11 : समूह सम्मेलन की रिपोर्ट	क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक के साथ हुई चर्चा का विवरण प्रत्येक विद्यार्थी अपने शब्दों में लिखेगा। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है। (कम से कम पांच समूह सम्मेलन अवश्य होने चाहिए)
12	गतिविधि 12 : विद्यार्थी द्वारा स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट	इसे विद्यार्थी द्वारा भरा जाना है। जिसमें क्षेत्रकार्य के दौरान प्राप्त अनुभवों को आधार बनाया जाना है। इस पर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक की टिप्पणी ली जानी है।
13	गतिविधि 13 : द्वितीय वर्ष कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट	विद्यार्थी द्वारा पूर्व में सम्पन्न की गयी गतिविधियों को ही संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करना है
14	गतिविधि 14 : सत्रांत स्व-मूल्यांकन फार्म	इसमें विद्यार्थी को दिए गए फॉर्म को भरना है।
15	गतिविधि 15 : मूल्यांकन	क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक द्वारा विद्यार्थी द्वारा सम्पन्न किए गए क्षेत्र कार्य रिपोर्ट पर मूल्यांकन संबंधी व्यापक टिप्पणियाँ की जानी है।

नोट : विद्यार्थी पूर्ण रूप से भरे हुए खंड-2 क्षेत्रकार्य जर्नल की प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें। मूलप्रति दूर शिक्षा निदेशालय को भेजे।